शंकर के ब्रह्मसूत्रभाष्य की प्रारंभिक रूपरेखा में अध्यास की परिभाषा और उसकी भूमिका की व्याख्या करें।

8. "As the echo arises dependent on sound" --- How does Nagasena use this analogy to explain dependent origination of consciousness in the *Milindapañha*?

"जैसे प्रतिध्वनि ध्वनि पर निर्भर होकर उत्पन्न होती है" -- मिलिंदपन्ह में चेतना की प्रतीत्य उत्पत्ति को समझाने के लिए नागसेन ने इस सादृश्य का उपयोग कैसे किया है?



[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**आपका अनुक्रमांक.....**

**Sr. No. of Question Paper : 7621** **J**

Unique Paper Code : 2103100011

Name of the Paper : INDIAN THEORIES ON CONSCIOUSNESS

Name of the Course : **Philosophy DSE**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. किसी भी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Analyze the way in which the sacred syllable 'AUM' represents the essence of the Māṇḍūkya Upaniṣad's teaching.

"विश्लेषण करें कि किस प्रकार पवित्र शब्द 'ॐ' माण्डूक्य उपनिषद की शिक्षा का सार प्रस्तुत करता है।"

2. Explain how the Māṇḍūkya Upanishad present the four states of Consciousness as a means to self-realization in Vedanta.

समझाइए कि किस प्रकार माण्डूक्य उपनिषद् ने वेदांत में आत्म-साक्षात्कार के साधन के रूप में चेतना की चार अवस्थाओं को प्रस्तुत किया है।

3. "O King, it is not the same consciousness, nor is it another"--- How does Nagasena use this statement to explain the continuity of consciousness in the *Milindapañha*?



"हे राजन, यह वही चेतना नहीं है, न ही यह कोई दूसरी है"-- मिलिंदपन्ह में चेतना की निरंतरता को समझाने के लिए नागसेन ने इस कथन का उपयोग कैसे किया है?

4. Critically examine the philosophical arguments used by Jayanta Bhatta in the Nyāya-mañjarī to disprove the Cārvāka doctrine of Dehātma-vāda.

चार्वाकों के देहात्मवाद का खंडन करने के लिए न्यायमञ्जरी में जयन्त भट्ट द्वारा प्रस्तुत दार्शनिक तर्कों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

5. Explain the nature of Brahman in the Adhyāsabhāṣya of Shankara's commentery on the Brahmasūtras.

ब्रह्मसूत्रों पर शंकर की टिप्पणी के अध्यासभाष्य में ब्रह्म की प्रकृति की व्याख्या करें।

6. Explain how the statement *"Na jāyote mriyate vā kadācin..."* establishes the eternal nature of the Self in the Gita.

"न जायते म्रियते वा कदाचिन्..." - यह कथन गीता में आत्मा की शाश्वतता को किस प्रकार स्थापित करता है?

7. Explain the definitions of Adhyasa and its role in the opening framework of Shankara's Brahmasūtrabhāṣya.